

**पृष्ठ कक्ष** पुं. (तत्.) 1. पत्रिका का संपादन विभाग, व्यवस्थापक कार्यालय और मशीन विभाग से भिन्न कंपोजिंग आदि का कक्ष 2. वास्तु. किसी भवन के पीछे की ओर का महत्वपूर्ण कक्ष जैसे- मंदिर का पृष्ठ कक्ष।

**पृष्ठगामी** वि. (तत्.) 1. अनुकरण करने वाला, पीछे चलने वाला, अनुयायी।

**पृष्ठतः** क्रि.वि. (तत्.) 1. पीछे से, पीठ पीछे से, चुपके से पीठ पर गोपनीय ढंग से 2. पृष्ठवार, पृष्ठ के अनुसार।

**पृष्ठ तनाव** पुं. (भौ.) द्रवों का विशिष्ट गुणधर्म जिसके द्वारा उनकी सतह एक तनी हुई झिल्ली की तरह काम करती है और इसी के कारण सुई पानी में तैरती है।

**पृष्ठदेश** पुं. (तत्.) पीछे का भाग।

**पृष्ठपाद** पुं. (तत्.) किसी प्राणी के शरीर के पिछले भाग में स्थित अधःशाखा।

**पृष्ठपोषक** पुं. (तत्.) पीठ थपथपाने वाला, मदद करने वाला, मददगार, प्रोत्साहन देने वाला।

**पृष्ठपोषण** पुं. (तत्.) 1. किसी व्यक्ति की सहायता, मदद, रक्षा करना 2. प्रोत्साहन देना।

**पृष्ठ बर्म** पुं. (तत्.) 1. किसी जंतु के शरीर के ऊपरी भाग (पीठ) का सख्त, कठोर आवरण 2. कछुए की पीठ का कठोर भाग।

**पृष्ठ भाग** पुं. (तत्.) 1. किसी प्राणी के कमर से लेकर गरदन तक का पीछे का भाग 2. पिछला भाग, पीठ, पृष्ठ प्रदेश।

**पृष्ठ भूमि** स्त्री. (तत्.) 1. मकान की उपरी छत या मंजिल, पीछे का भाग 2. वे घटनाएँ या परिस्थितियाँ जो आनेवाली घटनाओं का आधार बन जाती हैं 3. वे स्थितियाँ जिनसे मनुष्य का चरित्र या आचरण निर्धारित होता है जैसे- गरीबी की पृष्ठभूमि ने ही उसे अपराधी बना दिया 4. अख्यात रहने का भाव, 'नीव का पत्थर' बने रहने का भाव जैसे- पृष्ठ भूमि में रहते हुए भी

चाणक्य ने कई युद्ध जीते 5. (कला) चित्र में पीछे का दृश्य जो गौण होते हुए भी अत्यंत प्रभावकारी होता है।

**पृष्ठभूमिका** स्त्री. (तत्.) वह विवरण जिसमें किसी विषय या वस्तु के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई हो दे. पृष्ठभूमि।

**पृष्ठमल** पुं. (तत्.) 1. किसी वस्तु या तरल पदार्थ की सतह पर जमी हुई गंदगी 2. पुं. रसा. गलित अथवा पिघली वस्तुओं की सतह पर जमने वाली मैल जो मुख्यतः आक्सीकरण के कारण होती है।

**पृष्ठमांसाद** वि. (तत्.) 1. जो पीठ का मांस खाता हो, मच्छर 2. ला.अर्थ. पीठ पीछे से वार करने वाला, 3. चुगली करने वाला, चुगलखोर।

**पृष्ठमांसादन** पुं. (तत्.) 1. पीठ का मांस खाने की क्रिया 2. चुगली करने की क्रिया, चुगली करना।

**पृष्ठ रक्ष** पुं. (तत्.) युद्ध के दौरान नियुक्त वे सैनिक जो आगे चलने वाली टुकड़ी की रक्षा हेतु/नियुक्त किये जाते हैं।

**पृष्ठरक्षण** पुं. (तत्.) [पृष्ठ-रक्षण] 1. किसी के पृष्ठ भाग में रहते हुए उसकी रक्षा का कार्य 2. ला.अर्थ. गुप्तरूप से किसी का समर्थन या रक्षा करने का कार्य।

**पृष्ठ सज्जा** स्त्री. (तत्.) पत्र, समाचार पत्रों, पत्रिका आदि के पृष्ठ की साज सज्जा, बनावट, सजावट।

**पृष्ठवीथिका** स्त्री. (तत्.) (खेल.) बैडमिंटन के युगल मैचों के पाले में क्रीडा क्षेत्र की रेखा और पिछली सीमा रेखा के बीच का क्षेत्र जहाँ चिड़िया गिरना नियमोल्लंघन होता है, पिछली गली।

**पृष्ठलग्न** वि. (तत्.) अनुगामी, अनुयायी, पीछे लगा रहने वाला, पीछा न छोड़ने वाला।

**पृष्ठवंश** पुं. (तत्.) रीढ़, मेरुदंड।

**पृष्ठवाह** पुं. (तत्.) वह पशु जिसकी पीठ पर बोझा या भार लादा जाता है, बोझ लादने वाला बैल या खच्चर।